14 (HIN–3) 3·3

2018

HINDI

Paper : 3·3

(Hindī Bhāsha and Hindī Gadya : Nibandh)

(New and Old Syllabus)

Full Marks : 64/80

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

(New Syllabus)

हिन्दी भाषा

कुल अंक : 64

*निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं चार** के उत्तर दीजिए :*

12×4=48

1. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का उद्‌भव किन अपभ्रंशों से हुआ ? हिन्दी से भिन्न *किसी एक* आधुनिक भारतीय आर्यभाषा का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए।

2. ध्वनि, व्याकरण, शब्द-भंडार और साहित्यिक प्रयोग की दृष्टि आदिकालीन और मध्यकालीन हिन्दी की भाषिक विशेषताओं प्रकाश डालिए।

3. हिन्दी भाषा की विभाषाओं एवं बोलियों का उल्लेख करते लोक-बोली के रूप में खड़ीबोली का परिचय दीजिए।

4. स्वर-ध्वनि की परिभाषा देते हुए हिन्दी की स्वर-ध्वनियों वर्गीकरण पर सम्यक् प्रकाश डालिए।

5. हिन्दी व्याक्य-संरचना में ध्यान देने योग्य बातों पर सोदाह विचार कीजिए।

6. हिन्दी के कारकों एवं कारक-चिह्नों का उल्लेख करते हुए दो वचनों में 'लड़का', 'कवि', 'नदी' और 'बहू' — इन संज्ञा-शब्दों की कारकीय रूप-रचना को प्रस्तुत कीजिए।

7. विशेषण किसे कहते हैं? हिन्दी भाषा में प्रयुक्त होने वा विशेषण शब्दों के विविध प्रकारों पर सोदाहरण चर्चा कीजिए

8. नागरी लिपि की वैज्ञानिकता पर सम्यक् प्रकाश डालिए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं चार*** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए। $4 \times 4 = 16$

(क) प्राचीन भारतीय आर्यभाषा पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ख) ब्रजभाषा का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए।

(ग) प्राणत्व की दृष्टि से हिन्दी की व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण कीजिए।

(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम किसे कहते हैं? हिन्दी के पुरुषवाचक सर्वनामों का उल्लेख कीजिए।

(ङ) हिन्दी में संयुक्त क्रियाओं के प्रयोग पर प्रकाश डालिए।

(च) हिन्दी संज्ञा-शब्दों के वचन-परिवर्तन संबंधी *किन्हीं* दो नियमों का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

(छ) 'नागरी' लिपि के नामकरण पर विचार कीजिए।

(ज) नागरी लिपि के *किन्हीं चार* दोषों का उल्लेख कीजिए।

———

(Old Syllabus)

हिन्दी गद्य : निबन्ध

कुल अंक : 80

खण्ड-क

1. ***किन्हीं दो*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) सचमुच बड़ी कठिन समस्या है। कृष्ण है, उध्व है, पर ब्रजवासी उनके निकट भी नहीं फटकने पाते! राजा है, राज प्रतिनिधि है, पर प्रजा की उन तक रसाई नहीं! सूर्य है, धूप नहीं! चन्द्र है, चान्दनी नहीं।

(ख) संकल्प या प्रवृत्ति हो जाने पर बुराई से बचाने वाले तीन मनोविकार है — सात्विक वृत्तिवालों के लिए ग्लानि, राजसी वृत्तिवालों के लिए लज्जा और तामसी वृत्तिवालों के लिए भय।

(ग) बुद्धदेव ने ईश्वर के विषय में कोई बात तक कहना पसन्द नहीं किया, परन्तु उनका प्रवर्तित विशाल धर्म-मत मंत्र-यंत्र में समाप्त हो गया। यही नहीं कहा जा सकता कि जनता में धर्म-गुरुओं के प्रति श्रद्धा नहीं है। श्रद्धा का अतिरेक ही तो सर्वत्र पाया जाता है।

(घ) पूजा का हर बोल खोखला लगता है, क्योंकि उसका शब्द मरे चाम की तरह मढ़ा हुआ है, तत्व से उसका कोई दैहिक नाता नहीं रह गया है। सही बात कहने का साहस मखौल बन गया है।

2. आचार्य शुक्लजी रचित 'श्रद्धा और भक्ति' के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

'लोभ और प्रीति' के उत्कर्ष और सार्थकता किन रूपों में मान्य है? पठित पाठ के आधार पर विवेचन कीजिए।

3. 'शिवशम्भु के चिट्ठे' में बालमुकुन्द गुप्तजी के साहस और राष्ट्रीयता के भावों के बारे में विचार प्रकट कीजिए। 12

अथवा

'पीछे मत फेंकियें' नामक चिट्ठे में किन यथार्थ स्थितियों का निरुपण हुआ है, व्यक्त कीजिए।

4. 'अशोक के फूल' शीर्षक निबन्ध के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

'भारतीय संस्कृति की देन' पाठ में डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी ने अपने विचारों के उद्‌गार किस प्रकार व्यक्त किये हैं, अपने शब्दों में उन सब का सार-संक्षेप प्रस्तुत कीजिए।

5. संक्षेप में ***किन्हीं तीन*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 4×3=12

(क) बालक शिवशम्भु को अपने सुख-स्वप्न की याद क्या थी?

(ख) "राजनीतिज्ञ पुरुष युक्ति या न्याय के पाबन्द नहीं होते अथवा राजनीति का कुछ ठिकाना नहीं" — उक्त उक्ति का ससन्दर्भ स्पष्ट करें।

(ग) "समस्त मानवजीवन के प्रवर्तक भाव या मनोविकार ही होते है।" — यहाँ निःसृत होने वाले संकेत का खुलासा कीजिए।

(घ) 'उत्साह' निबन्ध के अनुसार कर्मवीर कौन है?

(ङ) सभ्यता का आन्तरिक एवं बाह्य प्रयोजन क्या है?

(च) 'दूसरे विवाह की पत्नी पति के लिए पति बनी' — पाठ्य सन्दर्भ के आधार पर इसका राज बताइये।

खण्ड-ख

6. पठित निबन्ध 'करुणा' या 'हरसिंगार' की कथावस्तु का विवेचन कीजिए। 12

अथवा

विचारात्मक निबन्ध और ललित निबन्ध की विशेषताओं पर ध्यान रखते हुए साम्य-वैषम्य की दृष्टि से उन सबकी चर्चा कीजिए।

7. (क) "आँखि मेरे तोमार आली प्रथम आमार चोख जुड़ाल" — यहाँ रचयिता का आशय क्या रहा है? 4

अथवा

(ख) किस माजरे के नतीजन 'सुरतिहवा गाँव' का नामकरण हुआ है?